संगीत वाद्य यंत्र Musical Instruments

- किसी भी संगीत के लिए, संगीत वाद्य यंत्रों के बारे में जानना आवश्यक होता है। सम्मिलित वाद्य यंत्र के प्रकार के आधार पर एवं नाट्यशास्त्र के अनुसार संगीत वाद्य यंत्रों की चार प्रमुख पारंपरिक श्रेणियाँ हैं। ये हैं

For any music, it is necessary to know about musical instruments. Based on the type of instruments involved and according to Natyashastra, there are four main traditional categories of musical instruments. these are

1. अवनद/अवनद्ध वाद्य Avanad/Avanaddha Instrument

❖ (ये Membranophonic वाद्य यंत्र हैं, क्योंकि इनमें बाहरी झिल्ली होती है, जिससे विशेष संगीतात्मक ध्वनि निकालने के लिए इन पर आघात किया जाता है। इन्हें आघात वाद्य यंत्र के रूप में भी जाना जाता है

(These are Membranophonic instruments, because they have an outer membrane, which is struck to produce a particular musical sound. They are also known as percussion instruments

❖ सामान्यत: इस श्रेणी में सम्मिलित संगीत वाद्य यंत्र हैं : तबला, ड्रम, ढोल, मृदंग, डुग्गी, कांगो आदि। जहाँ तबला अधिकांश हिन्दुस्तानी शास्त्रीय कंठ संगीत की संगत है, वहीं मृदंग कर्नाटक संगीत के प्रदर्शनों के साथ संगत करनेवाला वाद्य यंत्र है। Generally the musical instruments included in this category are: Tabla, Drum, Dhol, Mridang, Duggi, Kangoetc. While the tabla is an accompaniment to most Hindustani classical vocal music, the mridangam is an accompaniment to Carnatic music performances.

2. सुषिर वाद्य Wind Instrument

❖ ये aerophone श्रेणी के हैं, अर्थात् इनमें सभी वायु वाद्य यंत्र सम्मिलित हैं। सबसे आम वाद्य यंत्रों में बाँसुरी, शहनाई, पुंगी, आदि शामिल हैं। इस श्रेणी में सबसे आम, लेकिन बजाने में दुष्कर वाद्य यंत्र शहनाई है।

These belong to the aerophone category, that is, they include all wind instruments. The most common musical instruments include flute, shehnai, pungi, etc. The most common but difficult to play instrument in this category is the Shehnai.

3. घन वाद्य Cube Instrument

❖ यह नॉन ड्रम आघात यंत्र की शैली है, जिसके लिए किसी भी ट्यूनिंग की आवश्यकता नहीं होती है। इन्हें इडियो फोन भी कहा जाता है। घन वाद्य के सबसे लोकप्रिय उदाहरण मँजीरा, जलतरंग, काँच-तरंग, घुँघरू, घटम (मिट्टी के बर्तन का ढोल), करताल आदि हैं। **It is a non-drum style of instrument, which does not require any tuning. These are also called idio phones. The most popular examples of Ghan Vadya are Manjira, Jaltarang, Kanch-Tarang, Ghunghru, Ghatam (ear then pot drum), Kartal**

4. तत् वाद्य String instrument

❖ ये Cordophone या स्ट्रिंग तार वाद्य यंत्र हैं। इसकी ध्वनि में हाथ से संशोधन करने पर ये सबसे प्रभावपूर्ण संगीत उत्पन्न करते हैं। तत् वाद्य यंत्रों के तीन प्रमुख प्रकार हैं :

These are Chordophone or stringed string instruments. By manually modifying its sound, it produces the most impressive music. There are three main types of musical instruments:

❖ **(a) धनुषाकार :** वे वाद्य यंत्र, जिनमें ध्वनि तार के आर-पार धनुष (कमानी) चलाकर निकाली जाती है। उदाहरण के लिए, सारंगी, इसराज / दिलरूबा और वायलिन।

Bowed: Those musical instruments in which sound is produced by moving a bow (spring) across the strings. For example, Sarangi, Israj/Dilruba and violin.

❖ **(b) प्लेक्टोरल :** वे वाद्य यंत्र, जिनमें तार को उँगलियों से या तार या सींग से खींचा जाता है। उदाहरण के लिए, सितार, वीणा, तानपुरा, गिटार आदि।

Plectoral: Those musical instruments in which the strings are plucked with fingers or with strings or horns. For example, Sitar, Veena, Tanpura, Guitar etc.

❖ (c) वे वाद्य यंत्र, जिन पर छोटी-सी हथौड़ी या डंडों के जोड़ों से आघात किया जाता है। उदाहरण के लिए, गोटूवाद्यम् और स्वरमंडल

Those musical instruments, which are struck with small hammers or joints of sticks. For example, Gotuvadyam and Swaramandal

❖ संतूर Santoor

यह एक 100 तारवाला वाद्य यंत्र है और प्राचीन काल से जम्मू और कश्मीर का पारंपरिक वाद्य यंत्र है। सूफ़ियाना कलाम संगीत के साथ संतूर की संगत होती है।

It is a 100 stringed musical instrument and is a traditional musical instrument of Jammu and Kashmir since ancient times. Sufiana Kalam music is accompanied by Santoor.

लोक संगीत वाद्य यंत्र Folk Musical Instruments

तारवाले वाद्य यंत्र (Chordophones)

❖ तुम्बी : इसे पंजाब में भाँगड़ा के दौरान बजाया जाता है।
Tumbi: It is played during Bhangra in Punjab.

❖ एकतारा : यह एक तारवाला यंत्र है, जिसे घुम्मकड़ साधुओं द्वारा बजाया जाता है। Ektara: It is a stringed instrument, which is played by wandering monks.

❖ दोतारा : दो तारवाला यंत्र, जिसे बाउल द्वारा बजाया जाता है।

Dotara: Two stringed instrument,

which is played with a bowl.

❖ चिकारा : मुड़ा हुआ यंत्र, जिसे राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में उपयोग किया जाता है।

Chikara: Bowed instrument, used in Rajasthan, Uttar Pradesh and Madhya Pradesh.

❖ दिलरूबा या इसराज : पंजाब में और पूर्वी भारत में रवीन्द्र संगीत के दौरान संगत के लिए उपयोग किया जाता है। **Dilruba or Israj: Used for accompaniment during Rabindra Sangeet in Punjab and in eastern India.**

❖ ओनाविल्लू : केरल में, बाँस से बना होता है। **Onavillu: In Kerala, made of bamboo**

❖ सरिंदा : महत्त्वपूर्ण जनजातीय वाद्य यंत्र। पूर्वी भारत में संथालों द्वारा बजाया जाता है। इसे राजस्थान और असम में भी उपयोग किया जाता है। यह सारंगी जैसा होता है।

Sarinda: Important tribal musical instrument. Played by the Santhals in Eastern India. It is also used in Rajasthan and Assam. It is like a Sarangi.

- टिगंटीला : वायलिन के समान और नागालैंड मूल का एक दुर्लभ उपकरण।

  Tigantila: Similar to the violin and a rare instrument of Nagaland origin.

- कमाइचा : यह एक झुका हुआ वाद्ययंत्र है, जिसका प्रयोग अक्सर मांगणियार समुदाय द्वारा राजस्थानी लोक संगीत में किया जाता है। **Kamaicha: It is a bowed instrument, often used in Rajasthani folk music by the Manganiyar community.**

फूँक से बजाये जानेवाले यंत्र (Aerophones)

❖ पुंगी या बीन : इसका उपयोग सपेरों द्वारा किया जाता है। इसे सुखायी हुई तुरई और दो बाँस की छड़ियों द्वारा बनाया जाता है।

Pungi or Bean: It is used by snake charmers. It is made from dried ridge gourd and two bamboo sticks.

❖ अलगोजा : इसमें दो बाँसुरियाँ होती हैं और उत्तरी-पश्चिमी भारत, विशेषकर पंजाब में लोक संगीत वाद्य के रूप में लोकप्रिय है।

Algoza: It consists of two flutes and is popular as a folk musical instrument in north-western India, especially Punjab.

❖ तंगमुरी : यह मेघालय के खासी पर्वतीय क्षेत्र के लोगों का एक लोक संगीत वाद्य है।

Tangmuri: It is a folk musical instrument of the people of the Khasi Hills region of Meghalaya.

❖ तिट्टी : यह बैगपाइपर के समान होता है एवं बकरी की खाल से निर्मित होता है। इसे दक्षिण भारत, विशेषकर केरल और आंध्रप्रदेश में बजाया जाता है।

Titti: It is similar to a bagpiper and is made from goat skin. It is played in South India, especially Kerala and Andhra Pradesh.

❖ मशक : उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र, राजस्थान और उत्तरप्रदेश का महत्त्वपूर्ण लोकसंगीत वाद्य है।

Mashak: It is an important folk musical instrument of Garhwal region of Uttarakhand, Rajasthan and Uttar Pradesh.

❖ गोगोना : यह बाँस से निर्मित होता है एवं असम के बिहू पर्व में उपयोग किया जाता है। **Gogona: It is made of bamboo and is used in the Bihu festival of Assam.**

❖ एजुक तपुंग : संपेरों की बीन जैसा और असम मूल का एक दुर्लभ उपकरण।

Ejuk Tapung: Like a snake charmer's lute and a rare instrument of Assam origin.

आघात से बजाये जानेवाले वाद्य यंत्र (Membranophones)

❖ घुमोट : यह ड्रम जैसा होता है और इसे गोवा में गणेश उत्सव में बजाया जाता है। Ghumot: It is like a drum and is played during Ganesh Utsav in Goa.

❖ इदक्का : यह डमरू जैसा होता है और केरल में उपयोग किया जाता है। Idakka: It is like Damru and is used in Kerala.

❖ उदुकई : यह तमिलनाडु से बालूघड़ी के आकार का डमरू जैसा यंत्र है।

Udukai: It is a sand clock shaped drum like instrument from Tamil Nadu.

❖ सम्बल : यह ड्रम जैसा होता है। इसे महाराष्ट्र के कोंकण क्षेत्र में छड़ियों से बजाया जाता है।

Sambal: It is like a drum. It is played with sticks in the Konkan region of Maharashtra.

❖ तमक : संथाल जनजाति का दो सिरोंवाला यह एक महत्त्वपूर्ण वाद्ययंत्र है, जिसे ड्रम स्टिक से बजाया जाता है।

Tamak: This is an important two-headed musical instrument of the Santhal tribe, which is played with drum sticks.

❖ डिग्गी : यह उत्तरप्रदेश के घड़िया गाँव का लोक - ढोलक है।

Diggi: This is the folk drum of Ghariya village of Uttar Pradesh.

टकराने से ध्वनि उत्पन्न करनेवाले यंत्र (Idiophones)

- चिमटा : आग में उपयोग किये जानेवाले चिमटे से विकसित हुआ और पंजाब में उपयोग किया जाता है।

Chimta: Developed from fire tongs and used in Punjab.

मंजीरा :- मंजीरा भजन में प्रयुक्त होने वाला एक महत्वपूर्ण वाद्य है। इसमें दो छोटी गहरी गोल मिश्रित धातु की बनी कटोरियाँ जैसी होती है। इनका मध्य भाग गहरा होता है। इस भाग में बने गड्ढे के छेद में डोरी लगी रहती है। ये दोनों हाथों से बजाए जाते हैं, दोनों हाथों में एक-एक मंजीरा रहता है। परस्पर आघात करने पर ध्वनि निकलती है।

❖ खरताल :- एक प्राचीन वाद्य यंत्र है जिसका प्रयोग मुख्यत: भक्ति/लोक गीतों में किया जाता है। इसका नाम संस्कृत के शब्द 'कारा' का अर्थ हाथ और 'ताला' का अर्थ ताली से है। यह लकड़ी का क्लैपर घाना वाद्य है जिसमें डिस्क या प्लेट होते हैं जो एक साथ ताली बजाने पर क्लिंकिंग ध्वनि उत्पन्न करते हैं।

भारतीय राज्यों के प्रमुख वाद्ययंत्र

वाद्य यंत्र/ Musical Instruments	राज्य /State
पेना, पुंग /Pena, Pung	मणिपुर Manipur
पोनू योक्सी /Ponu Yoxi अमेबाली, किरिंग, गुगा Amebali, Kiring, Guga	अरूणाचल प्रदेश Arunachal Pradesh
अलगोजा, कामाइचा, मोरचंग, करताल, मुंगल Algoja, Kamaicha, Morchang, Kartal, Mungal	राजस्थान Rajasthan

- बोब्बिली वीणा, सरस्वती वीणा → कर्नाटक Karnataka

  Bobbili Veena, Saraswati Veena

  ↳ आन्ध्र प्रदेश का भी Also from Andhra Pradesh

- दमाने, हुल्की Damane, Hulki → हिमाचल प्रदेश Himachal Pradesh

- चिंकारा/ Chinkara → मध्य प्रदेश Madhya Pradesh

- घटम Ghtam → आन्ध्र प्रदेश Andhra Pradesh

- पखावज Pakhavaj → बिहार Bihar

- सुन्दरी, इकतारा/ Sundri, Iqtara → महाराष्ट्र Maharashtra
- मर्दल, महुरी, धेनका / Mardal, Mahuri, dhenka → ओडिशा Odisha
- खुआंग / Khuang → मिजोरम Mizoram
- पावा, तुरी, बंगाल /Pava, Turi, Bengal → गुजरात Gujarat
- पेपा, टोका ,गोगोना → असम Assam
- भुआंग, सिंगा/Bhuang, Singa → झारखण्ड (संथाल) Jharkhand (Santhal)
- हुडकी /Hudki → उत्तराखण्ड Uttarakhand

- घूमोट /Ghamot → गोवा Goa
- सुसिरा/Susira → सिक्किम Sikkim
- डोटारा, श्रीखोल / Dotara, Shrikhol → पश्चिम बंगाल West Bengal
- कुजहल /Kujhal → केरल Kerala
- डुगडुगी, नादस्वरम Nadswram/Dugdugi → तमिलनाडू Tamil Nadu

भारतीय संगीत का इतिहास

👉 हमें पहली बार संगीत का साहित्यिक प्रमाण दो हज़ार वर्ष पहले वैदिक काल में मिलता है। राग खरहरप्रिया के सभी सातों स्वर साम बंद में अवरोही क्रम में पाये जा सकते हैं। संगीत विज्ञान को गन्धर्व वेद कहा जाता है, जो सामवेद का एक उपवेद है

We first find literary evidence of music in the Vedic period, two thousand years ago. All the seven notes of Raga Kharharpriya can be found in descending order in the Sama Bandha. The science of music is called Gandharva Veda, which is an Upveda of the Sama Veda

👉 भरत द्वारा लिखित नाट्यशास्त्र पहली रचना थी, जिसमें संगीत विद्या के विषय को विस्तृत रूप में स्पष्ट किया गया

👉 **Natyashastra written by Bharata was the first work in which the subject of musicology was explained in detail.**

राग

हिन्दुस्तानी राग	समय	ऋतु	मनोभाव (रस)
भैरव	भोर	कोई भी मौसम	शांति
हिण्डोल	प्रातः काल	बसंत	युवा जोड़े की मिठास का आह्वान करता है
दीपक	रात	ग्रीष्मकाल	करुणा
मेघ	देर रात	वर्षा ऋतु	साहस
श्री	सायंकाल	शीतकाल	हर्ष
मालकौंस	मध्यरात्रि	शीतकाल	वीर

ताल

👉 धुनों का लयबद्ध समूह ही ताल कहलाता है। यह लयबद्ध चक्र 3 से लेकर 108 धुनों का होता है।

The rhythmic group of tunes is called taal. This rhythmic cycle ranges from 3 to 108 tunes.

भारतीय संगीत का वर्गीकरण

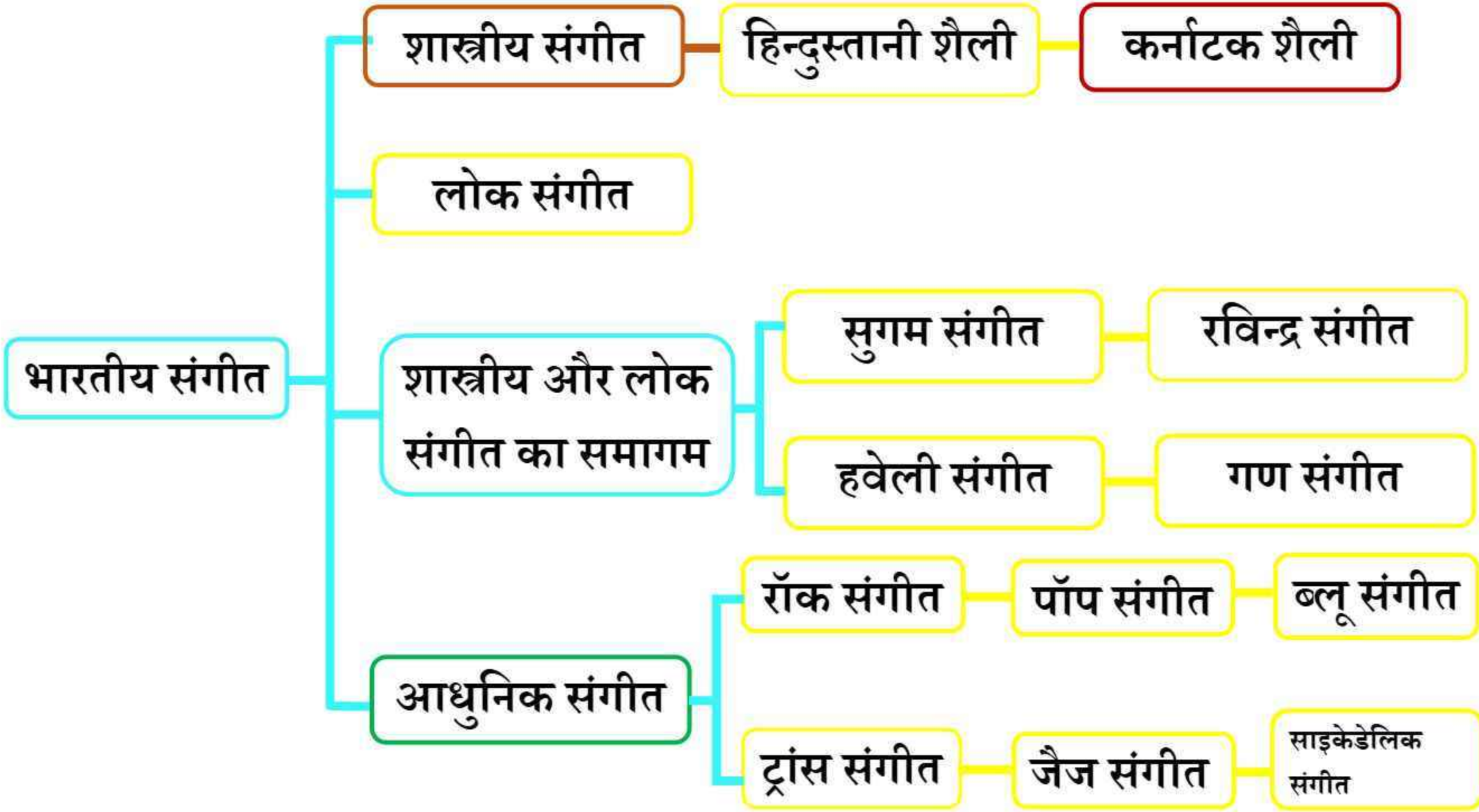

शास्त्रीय संगीत -

👉 भारतीय शास्त्रीय संगीत की दो अलग-अलग शैलियों का विकास हुआ है:

Two distinct styles of Indian classical music have developed:

1. हिंदुस्तानी संगीत : इसका भारत के उत्तरी भागों में अभ्यास किया जाता है।

Hindustani Music: It is practised in the northern parts of India.

2. कर्नाटक संगीत : इसका भारत के दक्षिणी भागों में अभ्यास किया जाता है।

हालाँकि दोनों प्रकार के संगीत की ऐतिहासिक जड़ें भरत के नाट्यशास्त्र में पायी जाती हैं, परंतु इनमें 14वीं सदी में अलगाव हो गया।

Carnatic Music: It is practised in the southern parts of India.

Although both forms of music have their historical roots in Bharata's Natya Shastra, they diverged in the 14th century.

हिंदुस्तानी संगीत

संगीत की हिंदुस्तानी शाखा संगीत संरचना और उसमें तात्कालिकता की संभावनाओं पर अधिक केंद्रित होती है। हिंदुस्तानी शाखा में शुद्ध स्वर सप्तक या 'प्राकृतिक स्वरों के सप्तक' के पैमाने को अपनाया गया।

The Hindustani branch of music focuses more on musical structure and the possibilities of improvisation in it. The Hindustani branch adopted the scale of Shuddha Swar Saptak or 'octave of natural notes'.

'ध्रुपद', 'धमार', 'होरी', 'ख्याल', 'टप्पा', 'चतुरंग', 'रससागर', 'तराना', 'सरगम' और 'ठुमरी' जैसी हिंदुस्तानी संगीत में गायन की दस मुख्य शैलियाँ हैं। जिनमें से प्रमुख शैलियाँ इस प्रकार हैं

There are ten main styles of singing in Hindustani music like 'Dhrupad', 'Dhamar', 'Hori', 'Khyal', 'Tappa', 'Chaturang', 'Rassagar', 'Tarana', 'Sargam' and 'Thumri'. The main styles of which are as follows

ध्रुपद शैली :- यह हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के सबसे पुराने और भव्य रूपों में से एक है तथा इसका वर्णन नाट्यशस्त्र में भी किया जाता है।

It is one of the oldest and grandest forms of Hindustani classical music and is also described in Natya Shastra.

प्रमुख ध्रुपद गायक :- अमीर खुसरो, स्वामी हरिदास, मियाँ तानसेन, बेजूबावरा, नौबत खान, गुणसमुंद्र / **Amir Khusro, Swami Haridas, Miyan Tansen, Bejubawara, Naubat Khan, Gunasamundra**

प्रमुख ध्रुपद घराने

👉 डागरी घराना, दरभंगा घराना, लयकारी, बेतिया घराना, तलवंडी घराना / Dagri Gharana, Darbhanga Gharana, Layakari, Bettiah Gharana, Talwandi Gharana

ख्याल शैली

👉 'ख्याल शैली (ख्याल) शब्द फारसी से लिया गया है, जिसका अर्थ 'विचार या कल्पना' होता है। उल्लेखनीय है कि इस शैली के उद्भव का श्रेय अमीर खुसरो को दिया जाता है। The word 'Khayal style' (Khayal) is derived from Persian, which means 'thought or imagination'. It is noteworthy that the credit for the origin of this style is given to Amir Khusro.

👉 15वीं सदी में हुसैन शाह (शर्की जौनपुर सल्तनत के शासक) इसके सबसे बड़ा संरक्षक थे In the 15th century, Hussain Shah (ruler of the Sharqi Jaunpur Sultanate) was its biggest patron

👉 असाधारण ख्याल रचनाएँ भगवान कृष्ण की स्तुति में की जाती है,

👉 Extraordinary Khayal compositions are done in praise of Lord Krishna,

👉 ख्याल संगीत के अंतर्गत प्रमुख घराने है।

There are major gharanas under Khayal music.

ग्वालियर घराना

👉 कलाकार :- नत्थू खान, विष्णु दिगंबर पलुस्कर

Artist :- Nathu Khan, Vishnu Digambar Paluskar

किराना घराना

👉 कलाकार :- अब्दुल करीम खान, अब्दुल वाहिद खान, पंडित भीमसेन जोशी

Artist :- Abdul Karim Khan, Abdul Wahid Khan, Pandit Bhimsen Joshi

आगरा घराना :- अगरा घराने का संगीत ख्याल और ध्रुपद गायकी का मिश्रण है।

The music of Agra Gharana is a mixture of Khayal and Dhrupad singing.

👉 **कलाकार :- हाजी सुजान खान, फैयाज खान, हुसैन खान**

👉 **Artists:- Haji Sujan Khan, Faiyaz Khan, Hussain Khan**

पटियाला घराना :-

👉 **कलाकार:- फतेह अली खान, अली बख्श जरनैल खान, बड़े गुलाम अली खान**

Artists:- Fateh Ali Khan, Ali Bakhsh Jarnail Khan, Bade Ghulam Ali Khan

भिंडी बजारा घराना :-

👉 कलाकार - छज्जू खान, नजीर खान, खादिम हुसैन

Cast - Chajju Khan, Nazir Khan, Khadim Hussain

तराना शैली:-

👉 इसमें तीव्र गति से गाये जानेवाले कई शब्दों का प्रयोग होता है। 13वीं-14वीं शताब्दी में अमीर खुसरो द्वारा फिर से तराना शैली का आविष्कार किया गया।

👉 **It uses many words which are sung at a fast pace. The Tarana style was reinvented by Amir Khusro in the 13th-14th century.**

👉 विश्व के एक प्रसिद्ध तराना गायक मेवाती घराने के पंडित रत्न मोहन शर्मा

👉 **Pandit Ratna Mohan Sharma of the Mewati Gharana is a famous Tarana singer of the world**

👉 उपाधि:- तराना के बादशाह

हिन्दुस्तानी संगीत की अर्द्ध-शास्त्रीय शैली

👉 संगीत की अर्द्ध-शास्त्रीय शैली भी स्वर (सुर) पर आधारित है।

👉 **The semi-classical style of music is also based on swara (sur).**

👉 कुछ प्रमुख अर्ध-शास्त्रीय शैलियों जैसे ठुमरी, टप्पा और गजल की नीचे चर्चा की गई गयी है। **Some of the major semi-classical styles like thumri, tappa and ghazal are discussed below.**

ठुमरी :- यह उत्तर प्रदेश में उत्पन्न हुई और आमतौर पर मिश्रित सरल रागों पर आधारित है।

It originated in Uttar Pradesh and is usually based on mixed simple ragas.

👉 ठुमरी शास्त्रीय नृत्य कथक से जुड़ी हुई है।

Thumri is associated with the classical dance form Kathak.

👉 ठुमरी के मुख्य घराने वाराणसी और लखनऊ में स्थित है और ठुमरी गायन की सबसे कालातीत (प्रसिद्ध) आवाज बेगम अख्तर की है/ **The main gharanas of Thumri are located in Varanasi and Lucknow and the most timeless (famous) voice of Thumri singing is that of Begum Akhtar**

👉 पूरब अंग ठुमरी के गिरिजा देवी और छन्नूलाल मिश्रा अन्य प्रसिद्ध प्रस्तावक है।

👉 **Girija Devi and Chhannulal Mishra are other famous proponents of Purva Ang Thumri.**

टप्पा :- इस शैली में लय की बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है, क्योंकि रचनाएँ तेज, सूक्ष्म और जटिल संरचनाओं पर आधारित होती है। **Rhythm plays a very important role in this style, as the compositions are based on fast, subtle and complex structures.**

👉 इस शैली के कुछ विशिष्ट प्रतिपादाकों में से हैं- ग्वालियर घराने के लक्ष्मण राव पण्डित तथा रामपुर-सहसवाँ घराने के शन्नो खुराना **Some of the prominent exponents of this style are Laxman Rao Pandit of the Gwalior gharana and Shanno Khurana of the Rampur-Sahaswan gharana.**

गजल :- गजल एक छोटी कविता होती है जिसमें तुकबन्दीवाले दोहे होते है, जिन्हें बैत या शे'र कहा जाता है। Ghazal is a short poem which contains rhyming couplets, which are called bayt or sher.

👉 **इसका विषय केवल प्रेम होता है its subject is only love**

👉 **भारत में पहला गजल लिखने वाले अमीर खुसरो थे**

Amir Khusro was the first person to write a Ghazal in India

गजल से जुड़ी कुछ प्रमुख हस्तियों :-

👉 मुहम्मद इकबाल, मिर्जा गालिब, रूमी, हाफिज, राहत इन्दौरी, फराक गौरखपुरी, वसीम बरेलवी, कुँवर बैचेन, जगजीत सिंह, मन्नाडे, भूपेन्द्र सिंह, मन्नहर उदास, पंकज उदास, सहबाज अमानी, बैगम अख्तर

↳ 'मलिका-ए-ग़ज़ल' ('ग़ज़लों की रानी')

Muhammad Iqbal, Mirza Ghalib, Rumi, Hafiz, Rahat Indori, Faraq Gorakhpuri, Wasim Barelvi, Kunwar Baichain, Jagjit Singh, Mannade, Bhupendra Singh, Mannhar Udas, Pankaj Udas, Sahbaz Amani, Begum Akhtar

कर्नाटक संगीत

👉 कर्नाटक संगीत मुख्य रूप में दक्षिण भारत से जुड़ा है। यहाँ मुख्य रूप से स्वर संगीत पर जो दिया गया है। जहाँ अधिकांश रचनाएँ गाने के लिए लिखी जाती हैं। अधिकांश कर्नाटक रचनाएँ या तो तेलुगू, कन्नड, तमिल या संस्कृत में हैं।

👉 **Carnatic music is primarily associated with South India. The focus here is mainly on vocal music. Where most compositions are written for singing. Most Carnatic compositions are either in Telugu, Kannada, Tamil or Sanskrit**

👉 हिन्दुस्तानी संगीत की तरह कर्नाटक संगीत भी दो तत्त्वों पर आधारित है- राग और ताल। किसी कर्नाटक शैली में प्रत्येक रचना के कई भाग होते है। **Like Hindustani music, Carnatic music is also based on two elements - raga and tala. Every composition in a Carnatic style has several parts.**

👉 पल्लवी :-

👉 अनुपल्लवी :-

👉 चरण :-

कर्नाटक संगीत के शुरुआती प्रतिपादक

अन्नमाचार्य :-

- **कर्नाटक संगीत के पहले जाने-माने संगीतकार**

  The first well-known composer of Carnatic music

  पुरंदर दास

- **कर्नाटक संगीत के संस्थापक प्रतिपादकों में से एक**

- **One of the founding exponents of Carnatic music**

- **वे भगवान् कृष्ण के भक्त थे He was a devotee of Lord Krishna**

👉 उन्हें ऋषि नारद का अवतार माना जाता है।

👉 **He is considered to be an incarnation of the sage Narada.**

👉 उनकी प्रसिद्ध रचना में दास साहित्य शामिल है।

👉 **His famous work includes Das Sahitya.**

क्षेत्रय्या:-

👉 इनके पद्म आज भी भरतनाट्यम और कुचिपुड़ी प्रदर्शन के दौरान गाये जाते हैं।

👉 **His Padmas are still sung during Bharatanatyam and Kuchipudi performances.**

भक्त रामदासु :-

वेंकटमखिन:-

👉 **वह कर्नाटक संगीत के एक प्रसिद्ध प्रस्तावक थे।**

👉 **He was a famous proponent of Carnatic music.**

👉 **उन्होंने चतुर्दण्डीप्रकाशिका नामक ग्रन्थ लिखा।**

👉 **He wrote the book Chaturdandiprakasika.**

👉 **गुडलूर नारायणस्वामी बालासुब्रमण्यम, सारंगदेव, टी.एम कृष्णा और ओ.एस. अरुण कर्नाटक संगीत के कुछ प्रसिद्ध संगीतकार हैं। Gudalur Narayanaswamy Balasubramaniam, Sarangadeva, T.M. Krishna and O.S. Arun are some of the famous composers of Carnatic music.**

कर्नाटक संगीत की त्रिमूर्ति

👉 एमएस सुब्बालक्ष्मी , डीके पट्टम्मल , और एमएल वसंतकुमारी , जो 20वीं सदी के कर्नाटक संगीतकार हैं, को लोकप्रिय रूप से कर्नाटक संगीत की महिला त्रिमूर्ति के रूप में जाना जाता है

MS Subbalakshmi, DK Pattammal, and ML Vasanthakumari, 20th-century Carnatic musicians, popularly known as the female trinity of Carnatic music

भारतीय संगीत पर महत्वपूर्ण पुस्तकें

सामवेद	व्यास
नाट्यशास्त्र	भरतमुनि
शिल्पादिकारम	इलांगो
अभिलाषितार्थ चिन्तामणि	सोमेश्वर
गीत गोविन्द	जयदेव
संगीत रत्नाकार	सारंगदेव
संग्रह चूड़ामणि	गोविन्दाचार्य
संगीत दर्पण	दामोदर पंडित

लोक संगीत

👉 भारत भौगोलिक दृष्टि से विविधतापूर्ण राष्ट्र है और यह विविधता भारतीय संस्कृति में भी प्रतिबिम्बत है।

लोकगीत / Folk song		राज्य /State
👉 दस्कथिया, संभलपुरी, पाला Daskathia, Sambhalpuri, Pala	⟶	ओडिशा Odisha
👉 धाडी, टप्पा, जुगनी, महिया Dhadi, Tappa, Jugni, Mahiya	⟶	पंजाब Punjab

👉 भलारी, ललिता, पोवाड़ा, ओवी, ⟶ महाराष्ट्र Maharashtra

गोंधर, लावणी, अभंग, भावगीत

Bhalari, Lalita, Powada, Ovi,

Ghondhar, Lavani, Abhang, bhavgeet

👉 सोहर / Sohar ⟶ बिहार Bihar

👉 भटियाली, भवैया, बहुला, बाउल, रविन्द्र संगीत ⟶ पश्चिम बंगाल

Bhatiyali, Bhaiya, Bahula, Baul, Ravindra Sangeet West Bengal

- जा-जिन-जा, रोप्पी → अरूणाचल प्रदेश
  Roppi, Ja- Jin- ja → Arunachal Pradesh
- चलो Chalo → हरियाणा Haryana
- मांडो Mando/ (मांडोक Maandok) → गोवा Goa
- पंखिडा, मांड, पनिहारी, लोटिया → राजस्थान Rajasthan
  Pankhida, mand, Panihari, Lotiya
- पांडवानी / Pandavani → छत्तीसगढ़ Chhattisgarh
- चकरी, भाखा /Chakri, Bhakha → जम्मू और कश्मीर J&K

- बिरहा, बरहमासा, कजरी, होरी ⟶ उत्तर प्रदेश Uttar Pradesh

  Birha, Barhamasa, Kajri, Hori

- सोपान संगीतम, भूता गीता ⟶ केरल Kerala

  Sopan, sangeetm, Bhuta Geeta

- जिकिर, टोकरी , गोलपरिया, बोरगीत, दिहनाम ⟶ असम Assam

  Jikir, Tokri, Golpariya, Borgeet

- झूमर/ Chandelier ⟶ झारखण्ड Jharkhand

- भव, डोलू कुनीथा Bhava, Dolu Kunitha → कर्नाटक Karnataka
- जूरी, लामान Jury, Laman → हिमाचल प्रदेश Himachal Pradesh
- जोड़ा, घसियारी Joda, Ghasiyari → उत्तराखण्ड Uttarakhand
- मदिगा दप्पू / Madiga dappu → आन्ध्र प्रदेश Andhra Pradesh
- बिल्लू पपतु धनुष , अम्मानईवारी, उरूमि मेलम, तेवरम → तमिलनाडु Billu Paptu Dhanush, Ammanaivari Urumi Melm, Tevram Tamil Nadu

- हेलिमलेउ, नीउलेउ, हेरेलेउ **Helimleu, Niuleu, Hereleu** → नागालैण्ड
- खोंगजम, खूबाकेशेई, संकीर्तन → मणिपुर **Manipur**
- **Khongjam, khubakeshei, Sankirtan**
- सैकुती जाई, चाय हला **Saukti Jai, Tea Hala** → मिजोरम **Mizorm**

चित्रकला, लोककला (Painting, Folk Art)

राज्य State	लोक कला Folk art
आंध्र प्रदेश	कलमकारी Kalamkari , मुग्गुलू Muggulu
बिहार	मधुबनी (मिथिला) Madhubani (Mithila) अरिपन + गोदना Aripan + Godana
झारखंड + बिहार	जादोपटिया Jadopatiya + पैतकर Paytkar
कर्नाटक	रंग वाली + कसुती Rang wali + Kasuti
हिमाचल प्रदेश	अरोफ + पहाड़ी + गुलेर + कांगड़ा Arof + Pahari + Guler + Kangda
कोलकाता	काली घाट Kali Ghat
लखनऊ (उ0प्र0)	चिकनकारी Chikankari

मध्य प्रदेश	बाघ Bagh + गोण्ड Gond
महाराष्ट्र	वर्ली (वारली) + रंगोली (Warli) + Rangoli
ओड़िशा	पट्टचित्र + सौरा Pattachitra + Soura
गुजरात	पिथौरा + अथिया + साथिया Pithora + Athiya + sathiya
राजस्थान	फड़ + मंडाना + लघु + कजली + मेंहदी Phad + Mandana + Laghu + Kajli + Mehndi
तमिलनाडु	कोल्लम Kollam
	तंजौर Tanjore
पंजाब	फुलकारी Phulkari
तेलंगाना	चेरियल + निर्मल Cherial + Nirmal

पश्चिम बंगाल	अल्पना **Alpana**
केरल	कलमा जट्टू (कालमेजूथू) **Kalma Jattu,** मार्गोमकली **margomkali**
उत्तराखण्ड	ऐपन **Appen**
उत्तर प्रदेश	चोक पूर्णा / सोन रखना **Choke Poorna / Sona Rakhna**
श्रीलंका, बांग्लादेश	बाटिक + थांका **Batik + Thanka**
हरियाणा	फ्रेस्को पेंटिग **fresco painting**

थांगका –सिक्किम + अरूणाचल प्रदेश + लद्दाख में मनाया जाता है

भारत की प्रसिद्ध पेंटिग Famous paintings of india

1. नल दमयंती

Nal Damayanti

राजा रवि वर्मा

Raja Ravi Verma

- केरल (त्रावणकोर)
- (केसर–ए–हिन्द)
  (Kesar-e-Hind)1904
- आधुनिक चित्रकला का जनक
  father of modern painting

- जटायु वधनम पेंटिग

Jatayu Vadhanam Painting

2. भारत माता का चित्र

Portrait of Mother India

मदर इंडिया **Mother India**

1905 में बना

Water colour use

Dress- Bangali

अबन्द्रिनाथ टैगोर

Abandrinath Tagore

(इंडियन सोसाइटी ऑफ ओरिएण्टल आर्ट के संस्थापक)

(Founder of the Indian Society of Oriental Art)

3. तीन लड़कियों का समूह — अमृता शेर–गिल

Group of three girls — Amrita Sher-Gil

4. बापूजी, संथाली कन्या — नंदलाल बोस

Bapuji, Santhali kanya — Nandlal Bose

5. मदर टेरेसा, Mother Teresa

मकबूल फिदा हुसैन (लंदन)

Maqbool Fida Hussain (London)

सरपट दौड़ता घोड़ा

Running Horse

6. गट्टू कार्टून — आर. के. लक्ष्मण (एशियन पेंटस के लिए)

Gattu Cartoon — **R. K. Laxman (for Asian Paints)**

↳ कार्टूनिस्ट

7. मलांगगन मुखौटा

Malanggan mukheta

रविन्द्रनाथ टैगोर

Rabindranath Tagore

8. गोपीनी कालीघाट

Gopini Kalighat

जैमिनी रॉय

Jaimini Roy

9. महिषासुर की चित्रकारी, सेलिब्रेशन — तैयब मेहता

Painting of Mahishasura, Celebration — Tyeb Mehta

10. सोहनी महिवाल

शोभा सिंह

Sohni Mahiwal

Shobha Singh

विश्व की प्रसिद्ध पेंटिग World famous painting

पेंटिग painting | **चित्रकार painter**

1. मोनालिसा — लियोनार्डो द विंचि (इटली)

Monalisa — **Leonardo da Vinci (Italy)**

लूव्रे म्यूजियम (पेरिस)

Louvre Museum (Paris)

द् लास्ट सपर — लियोनार्डो द विंचि (इटली)

The Last supper — Leonardo da Vinci (Italy)

2. लिबर्टी लीडिंग द पीपल — युगने डेलैक्रिक्स

Liberty Leading the People — **Eugène Delacroix**

3. नेपोलियन का कोरोनेशन — जैक लुइस

The Coronation of Napoleon — **Jacques Louis**

4. स्वयं पोट्रेट

वैन गोग

Self Portrait

Van Gogh

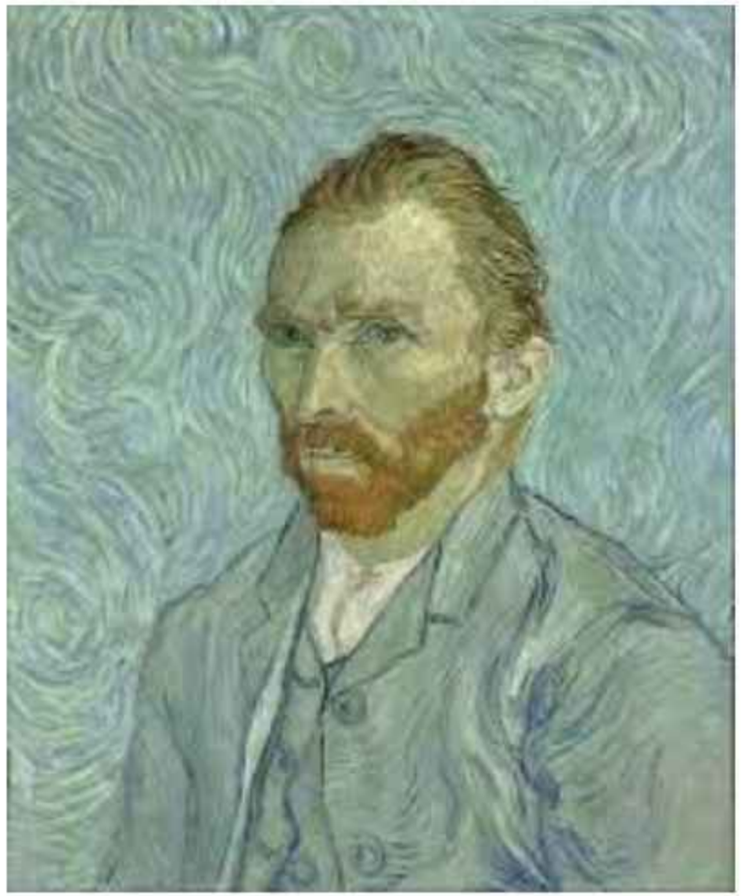

5. गुएर्निका — पाब्लो पिकासो (स्पेन)

Guernica — Pablo Picasso (Spain)

एविगनन की महिला **women of avignon**

मेरी थ्रीज **Mary threes**

6.द् मैरिज ऑफ द वर्जिन राफेल (इटली)

The marriage of the virgin

द सीस्टीन मैडोना **The sistine madonna**

द स्कूल ऑफ द एथेंस **The School of the Athenes**

7. द् क्रिएशन ऑफ एडम — माइकल एंजेलो (इटली)

the creation of adam

डेविड **David**

8. द् स्क्रीम **the Scream** — एडवर्ड मंच

DELHI POLICE 2025

CONSTABLE HCM AWO/TPO DRIVER

यकीन बैच

STATIC G.K

लोक नृत्य

(FOLK DANCE) Part -3

06-02-2025 05:00 PM

ओड़िशा Odisha

गोतिपुआ, छाऊ, घुमूरा, रणपा, संबलपुरी, सवारी, पैंका, मुणरी, अया, ओड़िसी, धाप, डंडारी, कर्मा, डालखाई, बाघ, महरी, ढप, घंटा मृदंगम, डंडा-जात्रा, मयूरभंज छऊ, रंगबती, ब्लैक एण्ड व्हाइट

Gotipua, Chhau, Ghumura, Ranpa, Sambalpuri, Sawari, Panka, Munri, Aya, Odissi, Dhap, Dandari, Karma, Dalkhai, Bagh, Mahri, Dhap, Ghanta Mridangam, Danda-Jatra, Mayurbhanj Chhau, Rangbati, Black and White

पंजाब Punjab

पंजा

भांगड़ा, गिद्धा, डफ, धमान, भांड, नकूला लुड्डी, धूमल, जूली, धनकरा, सम्मी, किकली, जागो तीजन, (वियाहुला गिद्दा–महिला), बागा

Bhangra, Giddha, Duff, Dhaman, Bhand, Nakula Luddi, Dhumal, Julie, Dhankara, Sammi, Kikli, Jago Teejan, (Viahula Gidda-female), Baga

राजा का स्थान **राजस्थान Rajasthan**

घापाल, फूंदी, पनिहारी, जिन्दाद, नेजा, गणगौर, कालबेलिया, चाकरी, झूमा, सुईसिनी, घूमर, छारी, तेरताली, चरी (महिलाओं द्वारा सिर पर दिये रखकर किया जाता है), गेर, झूलन, भवई, चांग नृत्य (अन्य नाम – धमाल/दफ) → होली पर

Ghapal, Fundi, Panihari, Zindad, Neja, Gangaur, Kalbelia, Chakri, Jhuma, Suisini, Ghoomar, Chhari, Tertali, cheri, Gar, Jhulan, Bhavai

- गुलाबो सपेरा : कालबेलिया नृत्य के लिये जानी जाती है।
- अग्नि नृत्य – जसनायी सिद्ध संप्रदाय द्वारा

सीक
सिक

सिक्किम Sikkim

चू फाट (चू–बर्फीला परिसर, फाट–पूजा कंचनजंघा पर्वत के सम्मान में), सिकमारी, स्नो लायन, याकछाम डेनजोंग, नेनहा, ताशी यांगकू, खूखूरी, चुटॅकी, मारूनी, भूटिया, तमांगसेलो, शेरपा, घंटू, गेले–यांग, सिंधी छम, ताशी सबदो, जो माल

Chu Phat, Sikmari, Snow Lion, Yakcham Denzong, Nanha, Tashi Yangku, Khukhuri, Chutki, Marooni, Bhutia, Tamangselo, Sherpa, Ghantu, Gele-Yang, Sindhi Cham, Tashi sabdo, Jo mal

मिल

तमिलनाडु Tamil Nadu

कुम्मी, कोलट्टम, कावड़ी, काई सिलंबट्टम, माथिलअटाम, ओयिलट्टम, देवरत्तम, कुदिराई अट्टम, मयिलअट्टम (मोर नृत्य), कजाई कोथु, करागम

Kummi, Kolattam, Kavdi, Kai Silambattam, Mathilaatam, Oyilattam, Devarattam, Kudirai Attam, Maliyamattam, Kajai Kothu, Karagam

तेलंगाना Telangana

पेरीनी शिवतंदवम, गुसादी, घिम्सा, लम्बाड़ी, डप्पू, बोनालू माथुरी, ओग्गूकथा, चिंदू भागवतम

Perini Shivatandavam, Gusadi, Ghimsa, Lambadi, Dappu, Bonalu Mathuri, Oggukatha, Chindu Bhagavatam

त्रिपुरा Tripura

होजागिरि, गौंरिया, लेबांग, ममितामोसक सुल्मानी, बिज्हू,
हिक–हक, संगराई, गजानन, वेलकम, डेलो, गोलामुचाओ,
लेग्वेन्ग बोमानी, मायमाता, मेलाडोम, मोसाक सुम्मानी

Hojagiri, Gaunriya, Lebang, Mamitamosak Sulmani, Bijhu, Hik-Haq, Sangrai, Gajanan, Welcome, Delo, Golamuchao, Legwang Bomani, Maymata, Meladom, Mossak Sumani

उत्तर प्रदेश Uttar Pradesh

रासलीला, नौटंकी, झूला, कजरी, चाचरी, जैता, झोरा, चाप्पेली, ख्याल, मयूर, धोबिया, चरकुला, पासी, नटवरी, दादरा

Rasleela, Nautanki, Jhula, Kajri, Chachari, Jaita, Jhora, Chappeli, Khayal, Peacock, Dhobia, Charkula, Pasi, Natvari, Rai, Dadra

उत्तर

उत्तराखण्ड Uttarakhand

गढ़वाली, कुमायूँ, चपादी, चैपल, सर्रो, हारूल, तांदी, चोंकला, छोपति, घुघुती, रण भूत, छोलिया, भोटिया, पांडव, झोड़ा, लंगविर, चांचरी, थड़िया, हुरका बाउल

Garhwali, Kumaun, Chapadi, Chapel, Sarro, Harul, Tandi, Chonkala, Chopati, Ghughuti, Rann Bhoot, Cholia, Bhotia, Pandav, Jhoda, Langvir, Chanchari, Thadiya, Hurka Baual

पश्चिम बंगाल West Bengal

काठी, गम्भीरा (इसे नकाबपोश नृत्य कहा जाता है), धाली, जात्रा, बाउल, मरसिया, कीर्त्तन, महल, ब्रिता (चेचक की बीमारी ठीक होने पर किया जाता है), छऊ, संथाल, लाठी, गोमिरा, पुरुलिया छऊ, गौड़ीय, चौ – झुमुर उत्सव पर छऊ नृत्य होता है

Kathi, Gambhira, Dhali, Jatra, Baul, Marsia, Kirtan, Mahal, Brita, Chhau, Santhal, Lathi, Gomira, Purulia Chhau, Gaudiya, Chau

लक्ष्यद्वीप Lakshadweep

लावा, (मिनिकाय द्वीप पर) परिचकली, कोलकाली

Lava, Parichakali, Kolkali

जम्मू और कश्मीर Jammu and Kashmir

हिकात, मंदजाल, कूद, दण्डीनाच, दमाली, हफीजा, रऊफ, डुम्हाल

पाधेर

Hikat, Mandjal, Kud, Dandinach, Damali, Hafiza, Rauf, Dumhal

लेह **लद्दाख Ladakh**

शोंडोल (लद्दाख का शाही नृत्य) शोन ड्रगपा–रचेस (Rich), जबरो, बैगस्टोनर्चेस, लामा, कोशन, तुखतनमो, सुरही, यॉक, स्पाओ, बाल्टी

Shondol, Shone, Dragpa-Raches, Jabro, Bagstonearches, Lama, Koshan, Tukhtanmo, Surahi, Yak, Spao, Balti

दमन और दीव Daman and Diu

मंडो, वर्दी गाओ, वीरा

Sing mando, vardi, veera

पुडूचेरी – PUDUCHERY –

गराडी GARADI

→ रामायण संबंधित (विल्लियानूर मंदिर में होता है)

मिनिकॉय द्वीप

लावा

पड़ोसी देशों के नृत्य

Dances of neighbouring countries

भूटान – जोनपा लेगसो, पा–चाम, झुंगद्रा

Bhutan - Jonpa Legso, Pa-Cham, Zhungdra

श्री लंका Sri Lanka – कैडियन - Cadian

अफगानिस्तान – अतान, इशाला, नत्सा

Afghanistan - Atan, Ishala, Natsa